E -100 Marks
Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : मई – २०२३

सत्र – २

विषय : प्राचीन काव्य – (भाग–२) (HDS - 202)

दि.: २५/०५/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो. १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ मीराँ की भक्तिभावना का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्र. २ मीराँ के काव्य में चित्रित विरह भावना को स्पष्ट करते हुए, उसकी रचनाओं की गेयता के गुणों के संदर्भ में अपने विचार लिखिए ।

प्र. ३ बिहारी के काव्य में अभिव्यक्त संयोग तथा वियोग वर्णन का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्र. ४ संत नामदेव के हिंदी पदों की सामान्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ संत नामदेव की भक्तिभावना एवं उनके दार्शनिक विचारों को सोदाहरण विशद कीजिए ।

प्र. ६ संत तुकाराम की भक्तिभावना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ७ संत तुकाराम की हिंदी भक्तिरचनाओं में अभिव्यक्त दार्शनिक भावना को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ मराठी संतों की हिंदी रचनाओं का स्वरुप स्पष्ट करते हुए, उनकी विशेषताओं को विशद कीजिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्ही दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१. जोगी मत जा, मत जा, मत जा ।
पाँइ परुँ मैं तेरी चेरी हौं ।।

२. या अनुरागी चित की गति समुझै नहीं कोइ ।
ज्यों ज्यों बुडे स्याम रंग त्यों त्यों उज्वलु होई ।।

३. मन मेरी सुई, तन मेरा धागा ।
खेचर जी के चरन पर नामा सिंपी लागा ।।

४. चीत मिले तो सब मिले,
नहीं तो फोकट संग ।
पाणी पत्थर एक ही ठोर,
कोर न भीगे अंग ।।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१. मीराँ की प्रेमसाधना
२. बिहारी के भक्ति और नीति के दोहे
३. मराठी संतों की हिंदी रचनाओं का प्रयोजन
४. संत तुकाराम : काव्य भाषा ।